शुक्रवार
14 जून 2024

पृष्ठ 4

हीट वेव के दौरान भी सर्दी-जुकाम ने कर...

पृष्ठ 5

समुद्र किनारे मोनालिसा ने...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 132
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

नाव जल में रहे लेकिन जल नाव में नहीं रहना चाहिए, इसी प्रकार साधक जग में रहे लेकिन जग साधक के मन में नहीं रहना चाहिए। –रामकृष्ण परमहंस

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

अल्मोड़ा वनाग्नि कांडः सभी 4 घायलों को एयरलिफ्ट कर दिल्ली एम्स भेजा

- आग बुझाने में जुटा सेना का एम आई 17
- मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा

विशेष संवाददाता

देहरादून। वर्तमान साल उत्तराखंड के जंगलों के लिए किसी अभिशाप से कम नहीं रहा है। इस फायर सीजन में रिकॉर्ड वनाग्नि की घटनाएं सामने आई है वही जंगल की लाल लपटे अब तक 10 लोगों की जिंदगी लील चुकी है जबकि चार लोग जो गंभीर रूप से झुलसे हुए हैं उन्हें अब एयरलिफ्ट कर दिल्ली एम्स ले जाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज सचिवालय में अधिकारियों के साथ बैठक कर अल्मोड़ा जिले के बिनसर अभ्यारण क्षेत्र में लगी आग की समीक्षा की तथा इस घटना में कल घायल हुए चार वनकर्मियों को तुरंत दो एयर एंबुलेंस से दिल्ली एम्स भेजने के निर्देश जारी किए गए हैं।

बीते कल आग बुझाने के प्रयास में आठ वनकर्मी बुरी तरह झुलस गए थे जिनमें से चार लोगों की कल ही मौत हो गई है जबकि अन्य चार जो गंभीर रूप से घायल थे हल्द्वानी इलाज के लिए भेजा गया था। इन घायलों में एक घायल तो 90 फीसदी तक झुलसा हुआ है जबकि अन्य तीन 60 से 65 फीसदी तक जले हुए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद अब इन्हें दिल्ली एम्स ले जाने की तैयारी की जा रही है।

इस अत्यंत ही दुखद घटना में दीवान राम, करन आर्य, पूरन माहरा तथा त्रिलोक मेहता की मौत हो चुकी है जिनके परिजनों को सरकार द्वारा 10-10 लाख मुआवजा दिया जा रहा है वहीं कृष्ण कुमार, भगवत सिंह, कुंदन सिंह नेगी व कैलाश भट्ट गंभीर रूप से झुलस गए थे जिन्हें हल्द्वानी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अकेले अल्मोड़ा की बात की जाए तो इस फायर सीजन में अब तक यहां नौ लोगों की मौत हो चुकी है जानकारी यह भी मिली है कि इन कर्मचारियों का बीमा तक नहीं कराया गया था।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा सर्वाधिक प्रभावित इस क्षेत्र में आग को बुझाने के लिए सेना की मदद लेने के दिशा निर्देश दिए गए हैं।

आज सुबह से ही सेना का एमआई-17 नैनीताल के भीमताल झील से पानी ले जाकर आग बुझाने के काम में जुटा हुआ है तथा भीमताल में फिलहाल वोटिंग को रोक दिया गया है। यही नहीं बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी व फायर सर्विस की गाड़ियां आग बुझाने के काम में लगी हुई है लेकिन यह आग इतने बड़े क्षेत्र में फैली हुई है कि उसे पर काबू पाना मुश्किल हो रहा है।

डकैतों व पुलिस के बीच हुई मुठभेड़, एक बदमाश को लगी गोली

- पुलिस ने तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया

संवाददाता

देहरादून। खुशहालपुर में फुरकान के घर पर डकैती की घटना को अंजाम देने वाले बदमाशों की जानकारी मिलने पर पुलिस ने चैकिंग अभियान चलाया तो बदमाश पुलिस टीम पर फायर झोंक जंगल में भाग गये। पुलिस की जवाबी कार्यवाही में एक बदमाश के पैर में गोली लगी जिसको अस्पताल में भर्ती कराया गया। जबकि उसके दो अन्य साथियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आज प्रातः पुलिस को सूचना मिली कि 5/6 जून की रात्रि में फुरकान के घर पर डकैती की घटना में शामिल बदमाशों के यूटिलिटी वाहन से पुनः किसी घटना को अंजाम देने के लिए वापस देहरादून आ रहे हैं। जिसके बाद पुलिस ने दर्रारट बैरियर के पास चैकिंग के दौरान पुलिस द्वारा रोके जाने पर बदमाशों ने यूटिलिटी वाहन से बैरियर को टक्कर मार कर धर्मावाला की ओर फरार हो गये। पुलिस द्वारा पीछा करने पर तिमली से धर्मावाला के बीच जंगल में वाहन पेड़ से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। यूटिलिटी चालक बदमाश रमजानी पुत्र इशराक निवासी ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

कुवैत अग्निकांडः 45 भारतीयों के शव लेकर कोच्चि पहुंचा एयरफोर्स का विमान

कोच्चि। कोच्चि एयरपोर्ट पर कुवैत से जैसे ही 45 भारतीयों के शव लेकर वायुसेना का विशेष विमान लैंड हुआ, हर आंख नम हो गई। मरने वालों के परिजन सुबह से ही एयपोर्ट पर मौजूद थे। केरल सरकार के मंत्री, आला अधिकारी और भारी संख्या में पुलिस बल भी एयरपोर्ट पर मौजूद था। भारतीय वायुसेना के सी-130 जे परिवहन विमान से 31 भारतीयों के पार्थिव शरीर को कोच्चि में उतारा गया। यहां से शवों को उनके गृह नगर के लिए रवाना कर दिया गया। कुवैत अग्निकांड में मारे गए मारे गए 31 मृतकों में से केरल के 23, तमिलनाडु के 7 और कर्नाटक का एक व्यक्ति शामिल है। कुवैत में आग की घटना के पीड़ितों के पार्थिव शरीर को कोचीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनके परिवारों को सौंपा गया। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह, केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी और अन्य मंत्रियों ने कोचीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कुवैत में आग की घटना के पीड़ितों के पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि अर्पित की इससे पहले गुरुवार देर रात प्लेन शवों को लेकर रवाना हुआ था।

नीट-यूजी विवाद पर 8 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने विवादित नीट यूजी परीक्षा में हुई कथित अनियमितताओं की सीबीआई से जांच कराने के अनुरोध वाली याचिका पर केंद्र, एनटीए और अन्य को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में जवाब देने को कहा है। नीट-यूजी 2024 में गड़बड़ी के आरोपों की सीबीआई से जांच के अनुरोध वाली याचिका पर 8 जुलाई को सुनवाई होगी।

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को नीट-यूजी विवाद पर विभिन्न उच्च न्यायालयों में लंबित मामलों को शीर्ष अदालत में हस्तांतरित करने के अनुरोध वाली राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की याचिका पर निजी पक्षों को नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की अवकाशकालीन पीठ ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के वकील की इस दलील का संज्ञान लिया कि विभिन्न उच्च न्यायालयों में अनेक याचिकाएं लंबित हैं जिनमें राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातकश (नीट-यूजी), 2024 को प्रश्नपत्र लीक होने और अन्य गड़बड़ियों के आरोपों में निरस्त करने की मांग की गई है। पीठ ने नोटिस जारी करने का आदेश देते हुए कहा कि आठ जुलाई को इस पर सुनवाई होगी। इस बीच एनटीए ने कहा कि वह मामलों को उच्च न्यायालयों से उच्चतम न्यायालय में हस्तांतरित करने के अनुरोध वाली तीन अन्य याचिकाओं को वापस लेना चाहती है क्योंकि वे पांच मई को परीक्षा के दौरान समय बर्बाद होने के आधार पर 1,563 उम्मीदवारों को कृपांक दिए जाने से संबंधित हैं। एनटीए के वकील ने कहा कि मुद्दे का निपटारा हो गया है और वह 1,563 अभ्यर्थियों को दिए गए कृपांक को निरस्त करने के 13 जून के शीर्ष अदालत के आदेश के बारे में उच्च न्यायालय को सूचित कर देंगे।

नीट-यूजी परीक्षा को लेकर बढ़ते विवाद के बीच एनटीए ने बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय से कहा कि चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित नीट-यूजी, 2024 के 1,563 अभ्यर्थियों को कृपांक (ग्रेस मार्क) देने के फैसले को निरस्त कर दिया गया है और उन्हें 23 जून को पुनः परीक्षा देने का विकल्प मिलेगा।

दून वैली मेल

संपादकीय

यह कैसा भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस?

भले ही सत्ता में बैठे लोगों द्वारा भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस का ढोल पीटा जाता रहे लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि जो भी जहां जो कुछ घपला घोटाला कर सकता है, करने से नहीं चूकता है। इन दिनों उत्तराखंड की सियासत में देहरादून नगर निगम की स्वच्छता समितियों में फर्जी नियुक्तियों के जरिए किए गए घोटाले का मामला सुर्खियों में है। देहरादून नगर निगम में 100 वार्ड है इनमें से 99 वार्डों में मोहल्ला स्वच्छता समितियों में 99 पर्यावरण मित्रों की नियुक्तियां दिखाकर उनका मानदेय निकाल लिया गया। फर्जीवाड़ा सामने आने पर नगर निगम प्रशासक जिलाधिकारी सोनिका द्वारा इस मामले की जांच करने का काम नगर आयुक्त को सौंपा गया है। मोहल्ला स्वच्छता समितियों में 8 से 12 तक कर्मचारियों की नियुक्तियां होती है। जिसमें फर्जी नियुक्तियां दिखाकर करोड़ों का फर्जीवाड़ा किया गया है। सवाल यह है कि इन समितियों में काम करने वालों का वार्ड पार्षद और सुपरवाइजर सत्यापन करते हैं और सफाई निरीक्षक द्वारा इसे वेरीफाई करने के बाद ही इन कर्मचारियों को मानदेय दिया जाता है। सवाल यह है कि पार्षद,सुपरवाइजर और नगर स्वास्थ्य अधिकारी तथा वित्त विभाग में बैठे अधिकारी जो मानदेय भुगतान की सस्ंतुति करते हैं क्या इन सभी की मिली भगत के बिना इस तरह की धांधली किया जाना संभव हो सकता है। इससे भी हास्यापद बात यह है कि निर्वतमान मेयर सुनील उनियाल गामा का कहना है कि पहले इन कर्मचारियों को वेतन डीवीटी के जरिए भुगतान किया जाता था लेकिन गड़बड़ी की आशंका के मद्देनजर इस व्यवस्था को बदल दिया गया और समितियों के खाते में वेतन भेजा जाने लगा। लेकिन इस व्यवस्था में गड़बड़ी की बात सामने आई तो फिर डीवीटी सिस्टम को लागू कर दिया गया। अब शहरी विकास मंत्री कह रहे हैं की डीवीटी की व्यवस्था को बदलने की जरूरत क्यों पड़ी इसकी भी जांच कराई जाएगी। इसके लिए शासन से अनुमति ली गई या नहीं अगर बोर्ड ने मनवाने तरीके से ऐसा किया है तो मामला गंभीर है। इस मामले का एक अन्य अहम पहलू यह भी है कि इस मामले की जांच का जिम्मा नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग को ही सौंपा गया है जो सफाई कर्मियों की नियुक्ति करता है ऐसे में यह जांच का काम कितने निष्पक्ष ढंग से हो सकेगा समय ही बताएगा यह कोई एक अकेला मामला नहीं है इससे पूर्व भी दून नगर निगम और मेयर (निर्वतमान) गामा आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने से लेकर अन्य मामलों को लेकर चर्चाओं में रह चुके हैं। भले ही दावा यह किया जा रहा हो कि जिन लोगों ने घपला किया है न वह बचेंगे और न वह बच पाएंगे जो इस मामले को रफा दफा करने में जुटे हुए हैं। लेकिन राज्य गठन से लेकर अब तक तमाम छोटे बड़े घपले घोटालों का इतिहास बताता है कि किसी भी मामले के सामने आने पर थोड़े समय हाय-हंगामा रहता है उसके बाद सब बीते कल की बात मानकर भुला दिया जाता है। कागजों में फर्जी कर्मचारी दिखाने वाला कौन है। इन फर्जी कर्मचारी का सत्यापन करने वाला कौन है। किसने स्वच्छता समितियों के खाते में से इस वेतन को निकाला? यह कोई ऐसा मुश्किल काम नहीं है जिसका पता नहीं लगाया जा सकता। सवाल सिर्फ इच्छा शक्ति का है। यह इच्छा शक्ति आएगी कहां से जब ऊपर से लेकर नीचे तक सभी ने भ्रष्टाचार की गंगा में हाथ धोए हैं तब इसकी जांच भी कैसे संभव है। जो करना है करते रहो लेकिन भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस का प्रचार करना मत भूलो।

दीपक जेठी ने 32 बार किया रक्तदान

संवाददाता

देहरादून। 22 साल की उम्र से नियमित रक्तदान करने वाले दीपक जेठी ने रक्तदान दिवस पर 32 बार रक्तदान किया।

आज 22 साल की उम्र से नियमित रक्तदान कर रहे दीपक जेठी ने कई लोगों की जिंदगी बचाई है। दीपक अब तक 32 बार रक्तदान कर चुके हैं। दीपक जेठी का कहना है जब हम खुद रक्तदान करेंगे तभी दूसरों को रक्तदान के लिए प्रेरित कर सकेंगे। बताया कि मेडिकल साइंस अभी भी इतना एडवांस नहीं हुआ है कि खुद से रक्त बना सके। ऐसे में मरीजों की मदद के लिए लोगों का आगे आकर रक्तदान करना चाहिए। तिलक रोड डांदीपुर मोहल्ला निवासी दीपक जेठी पिछले कई वर्षो से स्वेच्छा से रक्तदान कर रहे हैं ओर जनता को भी अपनी संस्था के माध्यम से हर तीन माह मे रक्तदान शिविर लगाकर रक्तदान महादान करने हेतु रक्तवीरों को प्रेरित कर रहे हैं।

दीपक जेठी महाकाल के भक्त सामाजिक संस्था के नाम से संस्था चला रहे हैं जिसके दीपक कार्यकारी अध्यक्ष भी हैं। महाकाल के भक्त सामाजिक संस्था देहरादून की प्रसिद्ध संस्थाओ मे से एक हैं संस्था के अध्यक्ष अंकुर जैन और कोषाध्यक्ष गुरप्रीत सिंह के साथ मिलकर संस्था मे हर 3 माह मे रक्तदान शिविर लगाया जाता हैं साथ ही शहर के किसी भी हस्पताल मे रक्त की जरूरत पड़ने पर निशुल्क रक्त की पूर्ति भी संस्था की और से की जाती है।

आज भी विश्व रक्तदान दिवस के उपलक्ष मे 32वी बार रक्तदान किया। संस्था हर रक्तदान शिविर तिलक रोड स्थित श्री शिर्डी साईं श्रद्धा धाम मंदिर प्रांगण मे लगाती हैं। मंदिर संस्थापक शरद नागलिया का सम्पूर्ण सहयोग महाकाल के भक्तो को मिलता रहता हैं।

राम कथा मनुष्य को मर्यादित जीवन जीना सिखाती हैः धस्माना

संवाददाता

देहरादून। ऋषि आश्रम खुडबुड़ा में चल रही भव्य राम कथा में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकान्त धस्माना ने कहा कि राम कथा मनुष्य को मर्यादित जीवन जीना सीखाती है।

आज यहां भगवान राम की कथा अगर मनुष्य श्रद्धापूर्ण भाव से श्रवण करे और उसका अंश मात्र भी आत्मसात कर ले तो मनुष्य जीवन में कभी मर्यादा का उलंघन ही नहीं कर सकता। क्यूंकि राम कथा मनुष्य को मर्यादित जीवन जीने का रास्ता बताती है यह बात उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने ऋषि आश्रम खुडबुड़ा में चल रही भव्य राम कथा में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भगवान ने मनुष्य को मन कर्म और वचन तीनों की मर्यादा का रास्ता स्वयं अपने जीवन में चीर्थर्थ

कर बताया । भगवान श्री राम ने मन से भी कभी सीता माता के अलावा कभी किसी स्त्री को स्वीकार नहीं किया और जब शिव अर्धनग्नि सती माता भगवान राम की परीक्षा लेने सीता माता का रूप धर कर भगवान राम के पास गईं तो प्रभु राम ने हंसते हुए उनसे कहा कि वन में अकेली कहां घूम रही हो माता वृषकेतु पिता शंकर कहां हैं? उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम ने पिता के वचन की मर्यादा की रक्षा के लिए चौदह वर्ष का वनवास सहर्ष स्वीकार किया। कर्म क्षेत्र में भगवान श्री राम ने मनुष्य के रूप में रहते हुए कभी अपने प्रभुत्व का प्रकटीकरण नहीं किया इस प्रकार मन से वचन से व कर्म से हमेशा मर्यादा का पालन किया। इस अवसर पर राजपुर विधायक खजान दास ने कथा व्यास आचार्य पुरषोत्तम दास का अभिननंद करते हुए कहा कि यह देहरादून के श्रोताओं का सौभाग्य है कि अयोध्या से पधारे हुए संत आज श्री राम कथा की ज्ञान गंगा प्रवाहित कर रहे हैं और उसके श्रवण का सौभाग्य हमें मिल रहा है । उन्होंने मंदिर जीर्णोधार के लिए दस लाख रुपए देने की घोषणा की। इस अवसर पर नैमिसारण्य से पधारे जगदाचार्य उपेंद्र सरस्वती व ऋषि आश्रम के महामंडलेश्वर विद्या चौतन्य ने आशीर्वचन कहे।

हजारों रुपये की स्मैक सहित तस्कर दबोचा

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। नशा तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से 2.65 ग्राम स्मैक बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज एसओजी टीम को सूचना मिली कि क्षेत्र में एक नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एसओजी टीम द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया गया। इस दौरान एसओजी टीम को रई क्षेत्र में एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। जो चैकिंग होता देख वहां से भागने का प्रयास करने लगा। इस पर उसे घेर कर रोका गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 2.65 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम साहिल चन्द पुत्र ठाकुर चन्द, निवासी बस्ते पो.ऑ. रई, बस्ते थाना जाजरदेवल जिला पिथौरागढ़ बताया। एसओजी टीम द्वारा उसके खिलाफ थाना जाजरदेवल में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है। बरामद स्मैक की कीमत 95 हजार रूपये बतायी जा रही है।

बस्तीवासियों की समस्या को लेकर प्रतिनिधि मण्डल जिलाधिकारी से मिला

संवाददाता

देहरादून। बस्तीवासियों को उजाडने व उनके पुर्नावास सहित अन्य समस्याओं को लेकर प्रतिनिधि मण्डल ने जिलाधि कारी श्रीमती सोनिका से मुलाकात कर ज्ञापन सौपा।

आज एक प्रतिनिधि मण्डल ने जिलाधिकारी श्रीमती सोनिका सिंह से भेंटकर उन्हें बस्तीवासियों की समस्या से अवगत किया तथा कहा कि एनजीटी के आदेश पर चलाये जा रहे अभियान कानून के हिसाब से नहीं तथा अभियान केवल गरीबों के खिलाफ चल रहा तथा अमीर एवं प्रभावशाली कब्जेदारों को छोड़ा जा रहा है। बस्तीवासियों को दिये गये नोटिस विधिसम्मत नहीं हैं तथा सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देशों की अवहेलना है। न्यायालय ने स्पष्ट कहा है कि किसी को हटाओगे तो पहले पुर्नवास करोगे फिर हटाओगे किन्तु यहाँ नगरनिगम व एमडीडीए जोर जबरदस्ती बेदखली पर उतारू है लोग भयभीत हैं जो उजड़ाऐ गये वे खुले आसमान में जीने के विवश है। प्रतिनिधि मण्डल ने जिलाधिकारी से अनुरोध किया कि वे प्रभावितों के लिये सुनवाई का प्रर्याप्त समय दें जिलाधिकारी ने एमडीडीए को न्यायोचित कार्यवाही का निर्देश दिया ।कल बस्तीवासियों द्वारा एमडीडीए जाने का फैसला लिया है। प्रतिनिधि मण्डल में सपा के राष्ट्रीय महासचिव डाक्टर एस एन सचान, चेतना आन्दोलन के शंकर गोपाल , सीपीएम सचिव अनन्त आकाश ,सीआईटीयू महामंत्री लेखराज आदि शामिल थे।

बद्रीनाथ उपचुनाव के पैनल के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सांसद कुमार शैलजा के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने बद्रीनाथ उपचुनाव के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गयी।

आज यहां उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सासंद कुमारी शैलजा के निर्देश पर बद्रीनाथ उपचुनाव को मद्देनजर रखते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करन माहरा द्वारा कांग्रेस प्रत्याशी के पैनल हेतु पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। उन्होंने कहा कि मुख्य पर्यवेक्षक प्रताप नगर के विधायक विक्रम सिंह नेगी, सह पयेवेक्षक प्रदेश महामंत्री महेंद्र सिंह नेगी (गुरुजी) तथा विशेष सहयोगी के रूप में पूर्व मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी को नियुक्त किया गया है। करन माहरा ने पर्यवेक्षगणों से अपेक्षा की है कि शीघ्रताशीघ्र बद्रीनाथ विधानसभा पहुंचकर जिला ब्लॉक/नगर अध्यक्ष/ पीसीसी सदस्य/कांग्रेस के वरिष्ठ नेतागणों, कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से समन्यक स्थापित करते हुए सभी से व्यक्तिगत मुलाकात कर शीघ्रताशीघ्र पैनल देने को कहा है।

उन्होंने कहा कि अब तक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पास ब्रदीनाथ विध ानसभा उपचुनाव में प्रतिभाग करने हेतु लगभग नौ दावेदारो ने पीसीसी को अपना वायो डाटा दिया है। उन्होंने कहा पर्यवेक्षकों की रिर्पोट आने पर पीसीसी द्वारा शीघ्र ही पैनल बनाकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी को भेजा जायेगा। करन माहरा कहा ने बद्रीनाथ से आने वाले उपचुनाव के दावेदारों की सूची लंबी है इसलिए नियुक्त किए गए पर्यवेक्षकों से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर पैनल दिए गए नामों पर सभी वरिष्ठ नेताओं से विचार चर्चा के उपरांत जल्द ही बद्रीनाथ और मंगलौर से कांग्रेस प्रत्याशी का नाम घोषित कर दिया जाएगा। आज जूम मीटिंग के माध्यम से की गई बैठक में प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा, सह प्रभारी दीपिका पांडे, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल, राष्ट्रीय सचिव काजी निजामुद्दीन, उपनेता प्रतिपक्ष भवन कापड़ी, जिला अध्यक्ष चमोली मुकेश नेगी तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के सलाहकार अमरजीत सिंह मौजूद रहे।

हम अर्बन हीट आइलैंड के प्रभाव में

दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई भागों में गर्मी कहर बरपाए हुए है। राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों के साथ ही उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ के अलग-अलग इलाकों में भी यही हाल है।

कई राज्यों में स्कूलों में अवकाश घोषित करना पड़ा है। आगामी दिनों में भी गर्मी की तपिश और लू के थपेड़ों से राहत के आसार नहीं हैं। देश में जगह-जगह लगातार गर्मी का रिकॉर्ड टूट रहा है। मंगलवार को दिल्ली के कई इलाकों में तापमान 5० डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इस बीच, दिल्ली-एनसीआर गर्मी को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। महानगर दिल्ली में पानी की किल्लत इस कदर है कि पानी की राशनिंग करने तक की नौबत आ गई है। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने दिल्ली में पेयजल संकट का ठीकरा हरियाणा सरकार पर फोड़ते हुए चेताया है कि जरूरत पड़ी तो सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। उनका कहना है कि हरियाणा सरकार ने दिल्ली के हिस्से का पानी यमुना में छोडऩा बंद कर दिया है। दिल्ली के नागरिकों को भी उन्होंने चेताया है कि गैर-जिम्मेदाराना तरीके से पानी का इस्तेमाल न करें। गाड़ी धोने जैसे कामों में पानी का इस्तेमाल न हो। यदि पानी का इस्तेमाल गैर-जिम्मेदाराना तरीके से होता मिला तो चालान भी किए जा सकते हैं। भीषण जल आपूर्ति का सामना कर रहे इलाकों में टैंकरों से पानी की आपूर्ति दिन में दो बार की बजाय एक बार करने की बात भी कही गई है। कई इलाकों से लोगों के गर्मी और लूट की चपेट में आकर बीमार पडऩे के मामले भी आने लगे हैं। लू की चपेट में आए लोगों को बुखार, सिरदर्द, उल्टी और बेहोशी जैसी शिकायतें हैं। हीट स्ट्रोक के साथ ही डिहाइड्रेशन की गंभीर चुनौती भी दरपेश है। इससे बच्चों को बचाए रखना बेहद जरूरी है। दिल्ली-एनसीआर में गर्मी और लू का आलम यह है कि दिन ही नहीं देर शाम तक भी लू और गर्म हवाएं लोगों को हलकान किए रहती हैं। भीषण गर्मी और लू किसी एक साल तक सीमित मौसमी घटना नहीं है। दरअसल, बढ़ते शहरीकरण के चलते हरियाली की कमी और सीधी धूप के निशाने पर आने के कारण हम 'अर्बन हीट आइलैंड' (यूएचआई) के प्रभाव में हैं, जिसके आने वाले समय में बढऩे की ही संभावना है, कम होने की नहीं। ऐसी अति मौसमी स्थितियों में रहना हमें सीख लेना होगा। (आरएनएस)

स्वच्छ ऊर्जा की स्थापित क्षमता में बीते नौ वर्षों में 138 प्रतिशत की बड़ी बढ़ोतरी हुई है

जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों तथा प्रदूषण की समस्या के समाधान के लिए स्वच्छ ऊर्जा का अधिकाधिक उत्पादन आवश्यक है। स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन और उपभोग में वृद्धि से जीवाश्म ईंधनों पर हमारी निर्भरता भी घटेगी, जिसके बड़े आर्थिक लाभ भी हैं। इस संबंध में भारत निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के आंकड़ों के अनुसार, स्वच्छ ऊर्जा की स्थापित क्षमता में बीते नौ वर्षों में 138 प्रतिशत की बड़ी बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2०23 में स्वच्छ ऊर्जा की कुल स्थापित क्षमता 18० गीगावाट के स्तर पर पहुंच गयी। वर्ष 2०14 में यह क्षमता 75। 5 गीगावाट थी।

हमारी कुल स्थापित विद्युत क्षमता में स्वच्छ ऊर्जा का अनुपात 2०14-15 के 31 प्रतिशत से बढ़कर 2०22-23 में 43 प्रतिशत हो गया। भारत सरकार ने इस अनुपात को 2०3० तक तीन गुना बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसे प्राप्त करने के लिए हर वर्ष 5० गीगावाट हरित ऊर्जा क्षमता जोड़ी जायेगी। भारत में सौर, पवन और जल विद्युत उत्पादन की बड़ी संभावनाएं हैं, जिन्हें साकार करने के लिए बड़े निवेश की आवश्यकता है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के एक आकलन के अनुसार, स्वच्छ ऊर्जा के सुचारू वितरण के लिए ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के लिए 2०27 तक 4। 75 लाख करोड़ रुपये निवेश करने होंगे। इस योजना के तहत 17० ट्रांसमिशन योजनाओं पर काम किया जायेगा।

कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूर्योदय योजना की घोषणा की है, जिसके अन्तर्गत कम आय वाले परिवारों को सोलर पैनल लगाने के लिए सहायता दी जायेगी। योजना के पहले चरण में एक करोड़ परिवारों को लाभ मिलने की आशा है। यदि घरों, कार्यालयों, संस्थानों आदि में सीमित क्षमता के सोलर पैनल लगाये जायें, तो ट्रांसमिशन परियोजना पर दबाव कुछ कम हो सकता है।

पवन और जल ऊर्जा के लिए बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता होती है। हम अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के 8० प्रतिशत से अधिक हिस्से को पूरा करने के लिए आयात पर निर्भर हैं। यदि इस आयात में कमी आती है, तो जीवाश्म ईंधन का उपयोग भी घटेगा और आयात पर होने वाले बड़े व्यय का भर भी कम होगा। इसलिए स्वच्छ ऊर्जा में होने वाले निवेश से भविष्य में हम बड़े लाभ उठा सकेंगे। दुबई में हुए जलवायु सम्मेलन में प्रकाशित वैश्विक जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक में भारत शीर्ष के सात देशों में शामिल किया गया है। वर्ष 2०14 में इस सूचकांक में भारत 31वें स्थान पर था। भारत ने जलवायु सम्मेलन को जानकारी दी है कि 2०21-22 में भारत ने 13। 35 लाख करोड़ रुपये जलवायु प्रयासों पर खर्च किया है। (आरएनएस)

परिषद ने किया थाना चौकी प्रभारियों को सम्मानित

संवाददाता

देहरादून। अनुसूचित जाति जनजाति विकास परिषद ने थाना चौकी प्रभारियों को संविधान निर्माता बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर की फोटो देकर सम्मानित किया।

आज अनुसूचित जाति जनजाति विकास परिषद भारत के राष्ट्रीय सचिव, गीताराम जायसवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि संगठन के प्रदेशाध्यक्ष प्रेम सिंह एवं उनकी टीम ने एक संकल्प लेते हुए कहा कि हम अपने संगठन के माध्यम से राजधानी देहरादून के सभी पुलिस थानों व पुलिस चौकियों में सभी थाना प्रभारी निरीक्षक व चौकी इंचार्ज को संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर फोटो देकर सम्मानित करने का काम करेंगे और अपने समाज को एक साथ लामबन्द करने का काम भी करेगे। राष्ट्रीय सचिव गीताराम जायसवाल ने बताया कि कल से शुरुआत की है और सबसे पहले नेहरू कॉलोनी थाना प्रभारी निरीक्षक मोहन सिंह को डॉ भीमराव अंबेडकर की फोटो देकर सम्मानित किया, फव्वारा चौकी इंचार्ज कुसुम पुरोहित, थाना कोतवाली, डालनवाला प्रभारी निरीक्षक राकेश गुसाईं, करनपुर चौकी इंचार्ज ओमप्रकाश, इन सभी थाना चौकी प्रभारियों संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर साहब की फोटो देकर सम्मानित किया और शिष्टाचार भेट की। जायसवाल ने कहा कि ये सब नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य के आशीर्वाद से किया जा रहा है। संगठन के माध्यम अपने समाज के लोगो को एक मंच पर लाने की छोटी सी पहल की जा रही है इस पहल में यशपाल आर्य उनके साथ है। जायसवाल ने कहा कि आज के दौर में उनके समाज में यशपाल आर्य से बड़ा कोई नेता नही है जो दलित समाज की आवाज को उठा सके। ऐसे मात्र एक ही नेता है और वो हैं सिर्फ और सिर्फ यशपाल आर्य जो आज हर कही अपने समाज की आवाज को बुलंद करने का काम कर रहे है। जायसवाल ने कहा कि उत्तराखंड में अब दलित समाज अब नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य साथ कंध ` से कंधा मिलाकर चलेगा और आने वाले 2027 में यशपाल आर्य को उत्तराखंड में मुख्यमंत्री के रूप में देखेंगे। सम्मानित करने वालों में राष्ट्रीय सचिव गीताराम जायसवाल, प्रदेश अध्यक्ष प्रेम सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल शर्मा, प्रदेश महासचिव जयपाल सिंह, सचिव राकेश बर्मन, महिला महानगर अध्यक्ष लक्ष्मी राणा, उपाध्यक्ष, सर्वेश्वरी देवी, सागर, सोनू सहगल आदि मौजूद रहे।

सामुदायिक भवन विधायक रुद्रप्रयाग भरत सिंह चौधरी ने किया उद्घाटन

संवाददाता

रूद्रप्रयाग। विधायक भरत सिंह चौधरी ने रूद्रप्रयाग में बने सामुदायिक केन्द्र, अस्थाई पार्किंग व हाईटेक शौचालय का उदघाटन किया।

आज यहां जनपद रुद्रप्रयाग को पहला सामुदायिक भवन की सौगात मिल गई है। स्थानीय लोगों की आवश्यकता को समझते हुए जिला प्रशासन ने गुलाबराय मैदान में सामुदायिक भवन, अस्थाई पार्किंग एवं हाईटेक शौचालय निर्माण कराया है। विधायक रुद्रप्रयाग भरत सिंह चौधरी ने करीब 98.94 लाख की लागत से निर्मित सामुदायिक भवन, दो हाईटेक शौचालय एवं वाहन पार्किंग का उद्घाटन कर जनता को समर्पित की। विधायक भरत सिंह चौधरी, सभासद सुरेंद्र सिंह रावत एवं उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग आशीष घिल्डियाल ने गुलाबराय मैदान में नव निर्मित सामुदायिक भवन में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचकर वार्ड नंबर 06 में 18.83 लाख की लागत से डाट पुल के समीप नव निर्मित हाईटैक शौचालय, वार्ड 02 में मकड़ी बाजार के समीप 18.83 लाख की लागत से नव निर्मित हाईटैक शौचालय, गुलाबराय मैदान के समीप मारुती शो-रूम के पास वार्ड 07 में 22.25 लाख की लागत से निर्मित वाहन पार्किंग, 15.19 लाख की लागत से गुलाबराय मैदान के समीप निर्मित वाहन पार्किंग, गुलाबराय भवन के पहले तल पर 23.87 लाख की लागत से नव निर्मित सामुदायिक भवन का उद्घाटन किया। उद्घाटन के दौरान कहा कि लंबे समय से जनपद में एक सामुदायिक भवन की आवश्यकता थी। वर्तमान जिलाधिकारी डॉ सौरभ गहरवार ने इसके लिए उचित स्थान चिह्नित कर तत्परता से कार्य करवाया है। इसके लिए जिला प्रशासन की जितनी सराहना की जाए कम है।

उन्होंने कहा कि गुलाबराय मैदान जिले का एक मात्र मैदान है जहां बड़े आयोजन होते हैं ऐसे में यहां वाहन स्टेंड एवं शौचालय की कमी भी हमेशा से खलती रही है। मैदान के समीप वाहन स्टेंड एवं शौचालय निर्माण से भी एक बड़ी राहत जनपद वासियों को मिली है। वहीं श्री केदारनाथ एवं बदरीनाथ धाम यात्रा पर देश- विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को भी इससे बड़ी राहत मिलेगी।

आम खाने के 1० बड़े फायदे

इन दिनों आम की बहार है। रसीले पके आम अत्यंत स्वादिष्ट लगते हैं। गर्मियों में इनकी आवक के साथ ही घर-घर में आम के व्यंजन बनने लगते हैं। आम का रस, आम की चटनी, आम के पापड़... और सबसे अच्छा तो इसे यूं ही काट कर खाना माना जाता है। आइए जानते हैं इसके 1० ऐसे फायदे जो आपको अचरज में डाल देंगे।

1. पका आम बहुत ही पौष्टिक होता है। इसमें प्रोटीन, विटामिन व खनिज पदार्थ, कार्बोहाइड्रेट तथा शर्करा विपुल मात्रा में होते हैं।

2. कोलेस्ट्रॉल नियमित रखने के मामले में आम में फाइबर और विटामिन सी होता है जिससे बैड कोलेस्ट्रॉल संतुलन बनाने में मदद मिलती है।

3. अगर रोगों से बचना है तो शरीर में इम्यून सिस्टम का मजबूत होना बहुत जरूरी है और आम रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का काम करता है इसलिए आम को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

4. आम का सेवन करने से आप पेट व पाचन संबंधी परेशानियों से बच सकते हैं। इसमें लैक्सेटिव यानी पेट को साफ करने का गुण होता है, साथ ही इससे कब्ज की समस्या से भी आराम मिलता है।

5. यूनानी डॉक्टरों के मतानुसार पका आम आलस्य दूर करता है, मूत्र साफ लाता है, क्षयरोग (टी.बी.) मिटाता है तथा गुर्दे व मूत्राशय के लिए शक्तिदायक है।

6. आम में विटामिन ए होता है, जो आपकी आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। आम के सेवन से आंखों की रोशनी अच्छी होती है।

7. आम मीठा, चिकना, शौच साफ लानेवाला, तृप्तिदायक, हृदय को बलप्रद, वीर्य की शुद्धि तथा वृद्धि करनेवाला है। यह वायु व पित्त नाशक परंतु कफकारक है तथा कांतिवर्धक, रक्त की शुद्धि करनेवाला एवं भूख बढ़ानेवाला है। इसके नियमित सेवन से रोगप्रतिकारक शक्ति बढ़ती है।

8. अगर आप अपनी त्वचा में निखार लाना चाहते हैं तो आम इसके लिए बहुत उपयोगी है। आम का फेस पैक चेहरे पर चमक लाने के लिए बहुत कारगर है।

9. शुक्रप्रमेह आदि विकारों के कारण जिनको संतानोत्पत्ति न होती हो, उनके लिए पका आम लाभकारक है। कलमी आम की अपेक्षा देशी आम जल्दी पचनेवाला, त्रिदोषशामक व विशेष गुणयुक्त है। रेशासहित, मीठा, पतली या छोटी गुठलीवाला आम उत्तम माना जाता है।

1०. यह आमाशय, यकृत, फेफड़ों के रोग तथा अल्सर, रक्ताल्पता आदि में लाभ पहुंचाता है। इसके सेवन से रक्त, मांस आदि सप्तधातुओं तथा वसा की वृद्धि और हड्डियों का पोषण होता है।

पशु जीवन के साथ गरिमा के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए

-डॉ. सत्यवान सौरभ

पशु क्रूरता में जानवरों के साथ दुर्व्यवहार के जानबूझकर, दुर्भावनापूर्ण कार्य और कम स्पष्ट स्थितियां शामिल हैं, जहां किसी जानवर की जरूरतों की उपेक्षा की जाती है। जानवरों के खिलाफ हिंसा को आपराधिक हिंसा और घरेलू दुर्व्यवहार की उच्च संभावना से जोड़ा गया है। अनुच्छेद 21 में अधिकार केवल मनुष्यों को प्रदान किया गया है॒ लेकिन जीवन शब्द के विस्तारित अर्थ में अब बुनियादी पर्यावरण में गड़बड़ी के खिलाफ अधिकार शामिल है, इसका अर्थ यह होना चाहिए कि पशु जीवन के साथ भी आंतरिक मूल्य, सम्मान और गरिमा के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि संविधान केवल मनुष्यों के अधिकारों की रक्षा करता है, लेकिन जीवन शब्द का अर्थ आज केवल अस्तित्व से कहीं अधिक समझा जाता है, इसका मतलब एक ऐसा अस्तित्व है जो हमें अन्य बातों के अलावा एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण में रहने की अनुमति देता है।

दंड संहिता में संशोधन करके जानवरों को अनावश्यक दर्द या कष्ट देने और जानवरों को मारने या गंभीर रूप से दुर्व्यवहार करने के लिए सजा बढ़ा दी गई। इसमें क्रूरता के विभिन्न रूपों, अपवादों और किसी पीड़ित जानवर के खिलाफ कोई क्रूरता होने पर उसे मार डालने की चर्चा की गई है, ताकि उसे आगे की पीड़ा से राहत मिल सके। अधिनियम का विधायी इरादा जानवरों को अनावश्यक दर्द या पीड़ा पहुंचाने से रोकना है। भारतीय पशु कल्याण बोर्ड की स्थापना 1962 में अधिनियम की धारा 4 के तहत की गई थी। यह अधिनियम जानवरों पर अनावश्यक क्रूरता और पीड़ा पहुंचाने के लिए सजा का प्रावधान करता है। यह अधिनियम जानवरों और जानवरों के विभिन्न रूपों को परिभाषित करता है। पहले अपराध के मामले में, जुर्माना जो दस रुपये से कम नहीं होगा, लेकिन जो पचास रुपये तक बढ़ाया जा सकता है। पिछले अपराध के तीन साल के भीतर किए गए दूसरे या बाद के अपराध के मामले में जुर्माना पच्चीस रुपये से कम नहीं होगा। जिसे एक सौ रुपये तक बढ़ाया जा सकता है या तीन महीने तक की कैद या दोनों से दंडित किया जा सकता है। यह वैज्ञानिक उद्देश्यों के लिए जानवरों पर प्रयोग से संबंधित दिशा- निर्देश प्रदान करता है। यह अधिनियम प्रदर्शन करने वाले जानवरों की प्रदर्शनी और प्रदर्शन करने वाले जानवरों के खिलाफ किए गए अपराधों से संबंधित प्रावधानों को स्थापित करता है।

प्रतिशोध (किए गए अपराध का बदला लेने के लिए दी गई सजा) निवारण (अपराधी और आम जनता को भविष्य में ऐसे अपराध करने से रोकने के लिए दी गई सजा), सुधार या पुनर्वास (अपराधी के भविष्य के व्यवहार को सुधारने और आकार देने के लिए दी गई सजा) कानून का खराब कार्यान्वयन और इसके द्वारा निर्धारित कम दंड से पीसी अधिनियम अत्यंत अप्रभावी प्रतीत होता है। अधिनियम के तहत अधिकांश अपराध जमानती हैं (आरोपी अधिकार के तौर पर पुलिस से जमानत मांग सकता है) गैर-संज्ञेय जिसका अर्थ है कि पुलिस स्पष्ट अनुमति के बिना न तो प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर सकती है और न ही जांच कर सकती है या गिरफ्तारी कर सकती है। पीसीए अधिनियम के तहत जुर्माने के रूप में निर्धारित राशि वही है जो इसके पूर्ववर्ती, पीसीए अधिनियम 189० में निर्धारित है। जुर्माना महत्वहीन है (कई मामलों में 1० से कम) क्योंकि 13० से अधिक वर्षों में उनमें संशोधन नहीं हुआ है। कानून को इस तरह से लिखा गया है कि मामले से निपटने वाली अदालत को आरोपी पर कारावास या जुर्माना लगाने के बीच चयन करने का विवेक है।

यह पशु क्रूरता के अपराधियों को अधिकांश मामलों में केवल जुर्माना अदा करके पशु क्रूरता के सबसे क्रूर रूपों से बच निकलने की अनुमति देता है। कानून में स्वयं सामुदायिक सेवा के लिए कोई प्रावधान नहीं है जैसे कि सजा के रूप में पशु आश्रय में स्वयंसेवा करना, जो संभावित रूप से अपराधियों को सुधार सकता है। जानवरों के लिए पांच मौलिक स्वतंत्रताओं का समावेश, दंडों में वृद्धि और विभिन्न अपराधों के लिए जुर्माने के रूप में भुगतान की जाने वाली धनराशि, नए संज्ञेय अपराधों को जोड़ना, मसौदा विधेयक में पशु क्रूरता के मामले से निपटने वाली अदालत के लिए दो विकल्पों के रूप में कारावास और जुर्माने का प्रावधान जारी रखा गया है। पशुओं को मौलिक अधिकार स्पष्ट रूप से प्रदान किए गए हैं। अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) व्यक्तियों को दिए गए हैं। व्यक्ति का अर्थ है मनुष्य या मनुष्यों के संघ, जैसे निगम, साझेदारी, ट्रस्ट आदि अनुच्छेद 48 गायों, बछड़ों और अन्य दुधारू और माल ढोने वाले मवेशियों के वध पर रोक लगाना और उनकी नस्ल में सुधार करना, अनुच्छेद 48, पर्यावरण की रक्षा और सुधार तथा वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा करना, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम (पीसीए अधिनियम), 196० जानवरों के प्रति क्रूरता का कारण बनने वाले कई प्रकार के कार्यों को अपराध मानता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

-प्रबंधक विज्ञापन

हीट वेव के दौरान भी सर्दी-जुकाम ने कर रखा है परेशान तो जानें कैसे इससे बच सकते हैं?

इन दिनों हीट वेव के कारण लोगों का हाल बेहाल है। लोगों को चक्कर और कमजोर की शिकायत अक्सर देखने को मिल रही है। इस भीषण गर्मी की वजह से लोग डिहाइड्रेशन का शिकार हो रहे हैं। हीट वेव चल रहा है लेकिन इस मौसम में भी लोग सर्दी-खांसी जुकाम से काफी ज्यादा परेशान है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि कैसे इस बीमारी से बचा जाए?

गर्मी में सर्दी-जुकाम के कारण

गर्मी में अक्सर खानपान में लापरवाही की जाती है। इस दौरान इम्युनिटी कमजोर हो जाती है।

कमजोर इम्युनिटी के चक्कर में अक्सर लोग इंफेक्शन के शिकार हो जाते हैं। इस मौसम में ऐसे खाना खाना चाहिए जो एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन ष्ट से भरपूर होते हैं। इसे खाने से इम्युनिटी बेहतर होती है। गर्मी के कारण जुकाम की समस्या होती है।

डॉक्टर्स के मुताबिक सर्दी-जुकाम के दौरान साफ-सफाई का खास ख्याल रखें। साफ-सफाई का ख्याल नहीं रखेंगे तो एलर्जी के शिकायत हो सकते हैं।

आजकल लोग लगातार ऑफिस में रहते हैं। आदमी लगातार एसी में रहता है और फिर धूप में निकलता है तो शरीर का टेंपरेचर अचानक से अप-डाउन होता है। ऐसे में सर्दी-गर्मी और समर कोल्ड का कारण बन सकता है। गर्मियों में सर्दी-जुकाम के कारण इंफेक्शन होने का खतरा होता है। यह वायरस हवा के दौरान फैलने लगते हैं।

सर्दी-जुकाम के कारण लोगों की इम्युनिटी कमजोर हो जाती है। इसके कारण बार-बार खांसी उठना, गले में दर्द और सिरदर्द की शिकायत होने लगती है।

गर्मी में सर्दी-खांसी से बचाव के उपाय

गर्मी में साफ-सफाई का खास ध्यान रखें क्योंकि साबुन से हाथ साफ रखेंगे तो सर्दी-जुकाम कंट्रोल में रहेगी।

भीड़भाड़ में निकलते वक्त साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। क्योंकि ऐसे वायरस शरीर के अंदर घुसे तो फिर शरीर के लिए नुकसानदायक भी है।

भीषण गर्मी में सबसे जरूरी है कि शरीर को हाइड्रेटेड रखें। ऐसे खाना और फल खाएं जिसमें मिनरल्स और विटामिन्स भरपूर मात्रा में हो। इससे इम्युनिटी मजबूत रहती है। अगर आप ज्यादा पानी पीते हैं तो इसमें नींबू मिलाकर पिएं। नारियल पानी और लस्सी पिएं। (आरएनएस)

फ्लोटिंग शेल्फ की सजावट के लिए अपनाएं ये तरीके

इन दिनों फ्लोटिंग शेल्फ काफी ट्रेंड में है और इन्हें घर में लगाने से घर की खूबसूरती बढ़ जाती है। फ्लोटिंग शेल्फ खुली हुई होती है, इसलिए इसमें कोई भी सामान रखते वक्त आपको थोड़ी समझदारी दिखाने की जरूरत है ताकि आपका घर बिखरा हुआ न लगे। अगर आपके घर में भी फ्लोटिंग शेल्फ लगी है तो आप इन तरीकों से उसे सजा सकते हैं। यकीनन इससे आपके घर को एक क्लासी लुक मिलेगा।

यह फ्लोटिंग शेल्फ को सजाने का सबसे आसान तरीका है। अगर आपको किताबें पढ़ने का शौक है तो आप फ्लोटिंग शेल्फ को अपनी किताबों से सजा सकते हैं। आप अपने बेडरूम में बेड के पीछे की दीवार पर फ्लोटिंग शेल्फ बनवाकर वहां पर अपनी पसंदीदा किताबें और मैगजीन रख सकते हैं। यह न सिर्फ आपके बेडरूम को एक कोजी लुक देगी, बल्कि इससे आप हर रात सोने से पहले अपनी पसंदीदा किताब पढ़कर उसे सही जगह पर रख सकेंगे। इनडोर प्लांट्स की मदद से फ्लोटिंग शेल्फ को खूबसूरत बनाया जा सकता है। भले ही आपकी फ्लोटिंग शेल्फ लिविंग रूम में हो या फिर बेडरूम में, इसे सजाने के लिए आप इस पर छोटे-छोटे इनडोर प्लांट रख सकते हैं। इससे न सिर्फ आपका घर खूबसूरत लगेगा बल्कि इनडोर प्लांट्स घर में सकारात्मकता बनाए रखने में भी मदद कर सकते हैं। अगर आपको पौधों का शौक हैं तो फ्लोटिंग शेल्फ को सजाने का इससे बेहतर कोई आइडिया हो ही नहीं सकता। अगर आपके घर की दीवारों पर हल्के रंग का पेंट हो रखा है तो आप अपनी फ्लोटिंग शेल्फ को रंग-बिरंगी चीजों से सजा सकते हैं। इसके लिए आप फ्लोटिंग शेल्फ पर अपने परिवार का फोटो फ्रेम, तरह-तरह के शो पीस या फिर टेबल कलेंडर आदि रख सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य -111

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

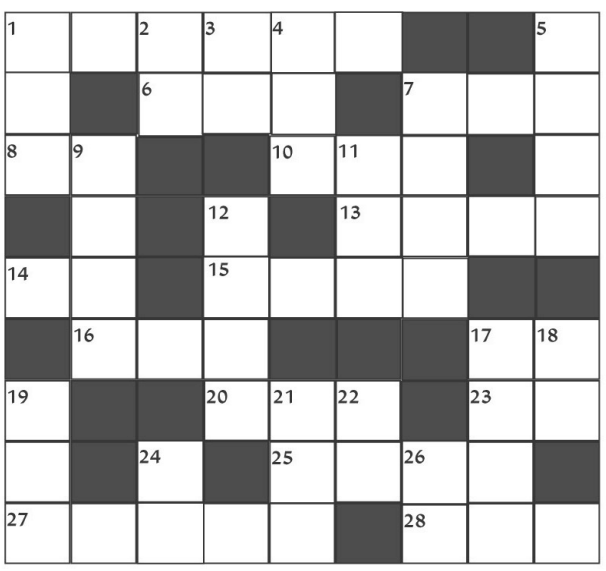

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 110 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

नेहा शर्मा की वेब सीरीज 36 डेज का ट्रेलर जारी

एक्ट्रेस नेहा शर्मा की मोस्ट पॉपुलर सीरीज 'इल्लीगल' का सीजन 3 ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर रिलीज हो गया है। इस सीरीज के दो सीजन काफी हिट रहे थे वहीं तीसरे सीजन को भी काफी पसंद किया जा रहा है। वहीं नेहा शर्मा की एक और अपकमिंग सस्पेंस-थ्रिलर सीरीज 36 डेज़- सीक्रेट इज इंजूरियस टू हेल्थ का ऑफिशियल ट्रेलर भी आज रिलीज कर दिया गया गैय।।

सीरीज में नेहा एक रहस्मय महिला के किरदार मे हैं। ट्रेलर की शुरुआत बैकग्राउंड से आवाज आती है हमारी नई टेनेंट मिली थी मुझे। ये सुनकर कोई और पूछता है कैसी है। इसके बाद नेहा शर्मा बिकिनी पहने हुए पूल में उतरती हुई नजर आती हैं। वहीं कुछ पड़ोस के मर्द उन्हें घूरते हुए नजर आते हैं। इसके बाद शो में शारिब हाशमी की एंट्री होती है और वे नेहा से मुलाकात करने के बाद कहते हैं मैं ऋषिकेश जयकर।

इसके बाद फिर बैकग्राउंड से एक फीमेल वॉइस आती है जो कहती है तू भी हर किसी की तरह उसे घास डालने की सोच रहा है क्या। इसके बाद शुरू होती है सस्पेंस से भरी कहानी। नेहा कहती नजर आती हैं किसी को खोने का दर्ज मुझसे बेहतर कोई नहीं समझ सकता। सीरीज में नेहा का नाम फराह है। ट्रेलर में आगे नेहा गन लिए हुए नजर आती हैं। ओवरॉल ट्रेलर फरेब की कहानी बयां करता है और सभी कैरेक्टर झूठ, धोखे और यहां तक कि प्यार के जाल में उलझे हुए नजर आते हैं। अब नेहा फरेब करती हैं या वे खुद विक्टिम हैं ये तो सीरीज के आने के बाद ही पता चल पाएगा। 1 मिनट 4० सेकंड की यह क्लिप दर्शकों को थ्रिल की राइड का वादा करती है। शो की लीड एक्ट्रेस नेहा शर्मा ने ट्रेलर को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पहेली कैप्शन के साथ शेयर किया है। इसमें लिखा है, हर कहानी के हमेशा 3 साइड होते हैं - आपका साइड, मेरा साइड।।। और सच्चाई। लेकिन क्या होगा अगर सच्चाई रहस्यों की दीवार के पीछे छिपी हो? बता दें कि इस शो का प्रीमियर जल्द ही सोनी लिव पर होगा। सीरीज की अट्रैक्टिल टैगलाइन है, रहस्य को छिपाकर रखना हानिकारक है।4 सीरीज की स्टार कास्ट में नेहा शर्मा, पूरब कोहली, श्रुति सेठ, चंदन रॉय सान्याल, शारिब हाशमी, अमृता खानविलकर, सुशांत दिवगिकर और अन्य कलाकार शामिल हैं। (आरएनएस)

औरों में कहां दम था में अजय देवगन और तब्बू की खूब जमी जोड़ी

अजय देवगन इन दिनों अपनी कई फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बीच अभिनेता की एक और नई फिल्म औरों में कहां दम था को लेकर नया अपडेट सामने आ गया है। आखिरकार निर्माताओं ने फिल्म का पहला पोस्टर जारी कर दिया है। पोस्टर के साथ ही उन्होंने टीजर की रिलीज के बारे में भी खुलासा किया है। औरों में कहां दम था में अजय देवगन और तब्बू मुख्य भूमिका में हैं। नीरज पांडे निर्देशित इस फिल्म के साथ दोनों दसवीं बार एक साथ काम कर रहे हैं।

औरों में कहां दम था फिल्म 23 साल की अवधि में फैली एक महाकाव्य संगीतमय रोमांटिक ड्रामा है। यह 2००० से 2०23 के बीच सेट है। फिल्म के पहले पोस्टर में अजय देवगन नजर आ रहे हैं। हालांकि, पोस्टर में उनका लुक नहीं दिखाया गया है। इसमें अजय की पीठ दिखाई दे रही है, जिससे पता चलता है कि यह अजय ही हैं, लेकिन उनका चेहरा नहीं दिख रहा है। उन्हें चश्मा पहने देखा जा सकता है।

इसके साथ ही निर्माताओं ने फिल्म के टीजर की भी जानकारी दी। पोस्टर में बताया गया की औरों में कहा दम था का टीजर आज यानी 31 मई को दोपहर एक बजे रिलीज किया जाएगा। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्टर शेयर करते हुए अजय देवगन ने लिखा, एक महाकाव्य प्रेम कहानी अपने रास्ते पर है। औरों में कहां दम था का टीजर आज रिलीज होगा। फिल्म सिनेमाघरों में 5 जुलाई, 2०24 को रिलीज होगी। वहीं फिल्म के कलाकारों की बात करें तो अजय देवगन और तब्बू के अलावा औरों में कहां दम था में जिमी शेरगिल, सई मांजरेकर और शांतनु माहेश्वरी भी महत्वपूर्ण भूमिका में होंगे। नीरज पांडे द्वारा निर्देशित इस फिल्म को शीतल भाटिया, नरेंद्र हीरावत और कुमार मंगत पाठक के पैनोरमा स्टूडियो द्वारा निर्मित किया गया है।

वहीं अजय देवगन की आने वाली फिल्मों की बात करें तो अभिनेता की आखिरी फिल्म मैदान थी। यह बायोग्राफिकल फिल्म भारतीय राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के कोच और मैनेजर सैयद अब्दुल रहीम के वास्तविक जीवन से प्रेरित थी, जिन्हें भारतीय फुटबॉल का आर्किटेक्ट भी माना जाता है। मैदान ने वैश्विक स्तर पर 71।52 करोड़ की कमाई की। वहीं अब अजय देवगन फिल्म निर्देशक और निर्माता रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन के निर्माण में भी व्यस्त हैं। यह फिल्म 15 अगस्त, 2०24 को रिलीज होगी। (आरएनएस)

समुंद्र किनारे मोनालिसा ने बेहद ग्लैमरस पोज देकर ढाया कहर

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा हमेशा अपने स्टनिंग और बोल्ड लुक्स से इंटरनेट पर कहर बरपाती रहती हैं। उनका हर लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही वायरल होने लगता है। हाल ही में मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका मस्तीभरा अंदाज देखकर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

टीवी इंडस्ट्री की खूबसूरत और बोल्ड अभिनेत्रियों में से एक मोनालिसा हमेशा अपनी लेटेस्ट पोस्ट से सोशल मीडिया पर बवाल मचाती रहती हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट हॉट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉटनेस भरा अंदाज देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं।

बता दें एक्ट्रेस मोनालिसा जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं फैंस उनकी हर एक पोस्ट पर अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हुए नहीं थकते हैं।

इन तस्वीरों में देख सकते हैं एक्ट्रेस मोनालिसा ने ब्लू कलर का थाई स्लिट स्कर्ट और क्रॉप टॉप पहना हुआ है, जिसमें वो किलर अंदाज में पोज देती हुई एक से बढ़कर एक पोज दे रही हैं।

सिर पर हेट, खुले बाल और न्यूड मेकअप कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने

आउटलुक को कंप्लीट किया है। साथ ही उनके चेहरे पर प्यारी सी स्माइल एक्ट्रेस के लुक पर चार चांद लगा रही है।

समुंद्र के किनारे एक्ट्रेस मोनालिसा खूबसूरत तस्वीरें क्लिक करवाती हुई और साथ ही मौसम का लुत्फ उठाती हुई नजर आ रही हैं। उनका ये अवतार देखकर फैंस भी कॉमेंट्स करने से नहीं रुक रहे हैं।

बता दें एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

हिना खान के साथ नामाकूल पर काम करना रहा कूल और बवाल: साक्षी म्हाडोलकर

उभरती सितारा साक्षी म्हाडोलकर ने अभी हाल ही में अपने नए शो नामाकूल पर काम करने के एक्सपीरियंस को शेयर किया। उन्होंने ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने पर अपने आप को खुश किस्मत माना और अपने उत्साह व्यक्त किया। शो पर काम करने के अपने अनुभव को कूल और बवाल बताते हुए साक्षी ने हिना खान के साथ काम करने के अनुभव को भी ख़ास बताया।

शो के प्रोडक्शन प्रोसेस के बारे में बात करते हुए साक्षी म्हाडोलकर ने बताया कि सेट पर शुरू से ही बहुत खुशनुमा माहौल होता था। उन्होंने आगे कहा, शो नामाकूल में काम करना बहुत ही कूल और बवाल अनुभव रहा। बहुत ही अच्छी टीम थी और शो के सेट की वाइब बहुत पॉजिटिव थी। मुझे याद है जिस दिन से हमने शो को लेकर तैयारी शुरू की थी, हमने बहुत मजा किया और वह मजा स्क्रीन पर भी नजर आ रहा है।

हम लोगों के एंटरटेनमेंट के लिए कुछ बनाना चाहते थे। यह एक लाइट हार्टेड और फन शो है जिसको आप अपने दोस्तों और परिवार वालो के साथ देख सकते है। इस शो को बनाने की जो इंटेंशन थी, वह स्क्रीन पर साफ़ नजर आ रही है। यह मेरा पहला प्रोजेक्ट है, मैंने इस प्रोजेक्ट पर इतने बेहतरीन लोगों के साथ काम किया है और डायरेक्टर रितम श्रीवास्तव के साथ काम करने का मौका मिला, मुझे लगता है मैं भगवान का पसंदीदा बच्चा हूँ।

शो में साक्षी ने हिना खान के साथ काम किया है और उनके साथ काम करने को लेकर वह बहुत उत्साहित नजर आयी। उन्होंने हिना खान की शालीनता और प्रोफेशनलिज्म की तारीफ की और उनसे

पहली बार मिलने के अपने अनुभव को शेयर किया, जब मैं उनसे पहली बार मिली , मैं हैरान रह गयी। वह अंदर और बाहर दोनों से ही बेहद खूबसूरत है और वह अच्छे से जानती है कि वह क्या कर रही है। वह एक रानी है।

बड़े एक्टर्स के साथ के साथ सीमाएं बनाए रखने की सलाह सुनने के बावजूद, साक्षी ने हिना खान को बेहद विनम्र, मददगार और दयालु पाया। उनके लिए यह एक चैलेंज था कि उनके किरदार निहारिका को हिना के किरदार रुबिया के प्रति दुश्मनी दिखानी थी ,जबकि रियल लाइफ में वह उनको बहुत पसंद करती है।

जब अपने खुद के एक्टिंग प्रोसेस की बात करनी हो, तो साक्षी अपने आप को एक एक्स्प्लोरर के रूप में देखती है। वह अभी भी सीखने के चरण में है और अपने किरदारों में गहराई जोडने़ के नए तरीके खोज रही है।उन्होंने कहा, अभी मैं एक एक्स्प्लोरर हूँ। मेरा कोई प्रोसेस नहीं है , मैं सीख रही हूं, खोज रही हूँ और जो किरदार मैं निभा रही हूँ ,उनमे कुछ नया डालने की कोशिश कर रही हूँ।

मुझे अपने डायरेक्टर पर पूरा भरोसा है, मैं उन्हें अपने लिए एक दुनिया बनाने देती हूँ और उसमे अपनी भूमिका निभाती हूँ। मैं अपनी पूरी तैयारी करती हूँ, सेट ओर जाने से पहले अपना होमवर्क पूरा करके जाती हूँ। अपने नए प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए साक्षी ने कहा, मैं अपने नए प्रोजेक्ट पर काम कर रही हूँ. हमने शूट शुरू कर दिया है। यह एक वेब शो है जो थोड़ा थ्रिलिंग, किलिंग और एक्साइटिंग है। रितम श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित इस श्रृंखला में हिना खान, अभिनव शर्मा, फैसल मलिक, अनुष्का कौशिक, सतीश बादल, अभिषेक बजाज, साक्षी म्हाडोलकर, आरोन अर्जुन कौल शामिल हैं।(आरएनएस)

भारत में आय की असमानता : जरूरत है बहुआयामी दृष्टिकोण की

राम शर्मा

विश्व के आर्थिक जगत में इन दिनों आय असमानता व्यापक बहस का विषय है। न केवल विकासशील देशों में अपितु विकसित देशों में भी अमीरी और गरीबी के बीच की खाई बढ़ती जा रही है। चीन और भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देशों में आर्थिक असमानता चिंताजनक स्तर पर है। पिछले कुछ दशकों में महत्वपूर्ण आर्थिक विकास के बावजूद आबादी का एक बड़ा हिस्सा अभी भी अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहा है। भारत में आय असमानता की भयावहता को समझने के लिए कुछ आर्थिक आंकड़ों पर नजर डालने की जरूरत है। अंतरराष्ट्रीय एनजीओ ऑक्सफेम की विश्व असमानता रिपोर्ट के अनुसार भारत की शीर्ष 1ः आबादी के पास देश की कुल सम्पत्ति का 73 प्रतिशत भाग है। इसी रिपोर्ट के अनुसार देश के 67 करोड़ भारतीयों (जो कि देश की आबादी का लगभग आधा हिस्सा हैं) की सम्पत्ति में मात्र ०1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी प्रकार राष्ट्रीय आय का अनुपातहीन रूप से बड़ा भाग उच्च वर्ग के पास है, जबकि समाज के 5० प्रतिशत हिस्से के पास सामूहिक रूप से बहुत कम हिस्सा है। यह स्पष्ट विरोधाभास आय की विषमता को दर्शाता है। इसके अलावा विश्व बैंक की रिपोर्ट से भी पता चलता है कि भारत का गिनी गुणांक ०.34 है, जो कि तुलनात्मक रूप से उच्च आय असमानता को दर्शाता है। यह गुणांक आय असमानता मापने का प्रमुख सूचकांक है। यह पिछले कुछ वर्षों में लगातार उच्च बना हुआ है। यह दर्शाता है कि धन वितरण अत्यधिक विषम बना हुआ है। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी का एक बड़ा हिस्सा रहता है। लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और रोजगार के अवसरों की कमी जैसे कारकों के कारण शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आय की असमानता अधिक रहती है। भारत में बढ़ती आय असमानता के कई कारण है। इसमें पहला है शहर और गांवों में रोजगार के अवसरों की असमानता। आमतौर पर शहरी क्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में रोजगार के अवसर अधिक है। काम के बदले मिलने वाले पारिश्रमिक में भी अंतर होता है। कृषि से होने वाली आय भी अल्प होती है। ऐसे में ग्रामीण और शहरी आबादी में आय की असमानता हो जाती है।

आय असमानता का दूसरा प्रमुख कारण शैक्षिक असमानताओं को माना जाता सकता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच कमाई की क्षमता निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालांकि सामाजिक- आर्थिक पृष्ठभूमि पर आधारित शैक्षिक अवसरों में असमानताएं आय असमानता को और बढ़ा देती हैं। संपन्न परिवारों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलती है, जिससे वे उच्च वेतन वाली नौकरियों की राह पर आगे बढ़ते हैं, जबकि वंचित पृष्ठभूमि के बच्चे अक्सर पीछे रह जाते हैं। तीसरा प्रमुख कारण लैगिंक असमानता है। भारत में लैंगिक असमानता एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनी हुई है, महिलाएं लगातार समान काम के लिए पुरुषों की तुलना में कम कमाती हैं। सामाजिक मानदंड, अवसरों की कमी और शिक्षा व कौशल विकास कार्यक्रमों तक सीमित पहुंच इस असमानता में योगदान करती है, जिससे महिलाओं के लिए आर्थिक नुकसान का चक्र कायम रहता है। चौथा प्रमुख कारण औपचारिक क्षेत्र का प्रभुत्व है। भारत के कार्यबल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत है, जिसमें नौकरी की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और उचित वेतन का अभाव है। अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिक अक्सर शोषण के प्रति संवेदनशील होते हैं और उनके पास ऊपर की ओर गतिशीलता के सीमित अवसर होते हैं, जो आय असमानता में योगदान करते हैं। आय की इस असमानता से सामाजिक अशांति उत्पन्न होती है। समाज में असंतोष पैदा हो सकता है, जिससे सरकार और आर्थिक अभिजात वर्ग के प्रति नाराजगी और अविश्वास को बढ़ावा मिल सकता है। इसी प्रकार आर्थिक विषमता से स्वास्थ्य संबंधी असमानताएं हो जाती है। साथ ही साथ यह असमानता सामाजिक गतिशीलता को बाधित करती है, जिससे वंचित पृष्ठभूमि के व्यक्तियों के लिए अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार करना मुश्किल हो जाता है। अंततः अमीरी और गरीबी के बीच खाई बढ़ती ही जाती है।

आय असमानता से निपटने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में ठोस प्रयासों की आवश्यकता है। इसके लिए शिक्षा में निवेश की सबसे ज्यादा जरूरत है। शिक्षा को प्राथमिकता देना और सभी बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा मिलना जरूरी है। इसी प्रकार लैंगिक समानता को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। शिक्षा हो, रोजगार हो या फिर वेतन का मामला पुरुषों और महिलाओं के बीच किसी प्रकार का भेद नहीं किया जाना चाहिए। सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों को बढ़ावा देना भी आय असमानता को दूर करता है। कमजोर आबादी को स्वास्थ्य देखभाल, आवास और खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों को मजबूत करना महत्वपूर्ण है। इन कार्यक्रमों को सबसे अधिक जरूरतमंद लोगों तक पहुंचने और आर्थिक कठिनाइयों का सामना करने वाले लोगों के लिए सुरक्षा जाल प्रदान करने के लिए डिजाइन किया जाना चाहिए। अनौपचारिक क्षेत्र के औपचारिकीकरण को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। सहायक नीतियों और प्रोत्साहनों के माध्यम से अनौपचारिक क्षेत्र के औपचारिकीकरण को बढ़ावा देने से काम करने की स्थिति में सुधार हो सकता है, उचित वेतन सुनिश्चित हो सकता है और श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जा सकती है।

आय की विषमता दूर करने के लिए प्रगतिशील कराधान महत्वपूर्ण उपाय है। अमीरों पर आनुपातिक रूप से अधिक कर लगाने वाली प्रगतिशील कराधान नीतियों को लागू करने से धन के पुनर्वितरण और आय असमानता को कम करने में मदद मिल सकती है। प्रगतिशील करों से उत्पन्न राजस्व को इसमें पुनः निवेश किया जा सकता है सामाजिक कल्याण कार्यक्रम और बुनियादी ढांचे का विकास। आय असमानता भारत के सामाजिक.आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियां पैदा करती है और समावेशी विकास हासिल करने के प्रयासों को कमजोर करती है। इस मुद्दे के समाधान के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो शिक्षा तक असमान पहुंचए लिंग भेदभाव और अनौपचारिक क्षेत्र के प्रभुत्व जैसे मूल कारणों से निपट सके। न्यायसंगत नीतियों और निवेश को प्राथमिकता देकर भारत एक अधिक समावेशी और समृद्ध समाज को बढ़ावा दे सकता है जहां प्रत्येक व्यक्ति को आगे बढ़ने का अवसर मिले।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सू- दोकू क्र. 111

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.110 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

जलवायु संकट और भारत

अशोक शर्मा

वर्ष 2०15 के पेरिस जलवायु सम्मेलन में यह तय हुआ था कि वैश्विक तापमान को औद्योगिक युग से पहले के तापमान से 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक नहीं बढ़ने दिया जायेगा। लेकिन अब विशेषज्ञों का मानना है कि यदि वर्तमान नीतियों पर ही दुनिया चलती रही, तो इस लक्ष्य को पूरा करना असंभव है। कुछ समय पहले संयुक्त राष्ट्र के महासचिव ने विकसित देशों और बड़ी कंपनियों की आलोचना करते हुए कहा था कि ये सभी वादे तो बड़े-बड़े करते हैं, पर उसे पूरा नहीं करते। हालांकि भारत को अपनी विकास आकांक्षाओं को साकार करने के लिए बड़ी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता है तथा उसके लिए जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता में बड़ी कटौती कर पाना कठिन है, फिर भी भारत ने स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन और उपभोग को बढ़ाने को अपनी नीतिगत प्राथमिकता बनाया है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका, चीन और यूरोप के अनेक विकसित देशों की तुलना में भारत में प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन बहुत कम है। यह अमेरिका में 14. 44, चीन में 8. 85 और जर्मनी में 8. 16 मेट्रिक टन है, जबकि भारत में प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन केवल 1. 91 मेट्रिक टन है। भारत ने 2०3० तक 5०० गीगावाट हरित ऊर्जा उत्पादित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। ग्लासगो जलवायु सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि भारत 2०7० तक अपने कार्बन उत्सर्जन को शून्य के स्तर पर लाने की दिशा में अग्रसर है। कुछ समय पहले राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन की घोषणा की गयी है। अंतरिम बजट में कृषि अवशिष्टों के ऊर्जा स्रोत में बदलने के लिए वित्तीय उपायों की घोषणा हुई है। कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने सूर्योदय योजना की घोषणा की है, जिसके अंतर्गत निम्न आय वर्ग के एक करोड़ घरों पर सोलर पैनल लगाये जायेंगे। बजट में प्रावधान किया गया है कि इन घरों को मुफ्त बिजली भी मिलेगी और वे अपने यहां उत्पादित बिजली के अधिशेष को बिजली ग्रिडों को बेचकर कमाई भी कर सकेंगे। पेरिस जलवायु सम्मेलन के बाद ही भारत और फ्रांस के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय सोलर अलायंस का गठन हुआ था, जिसमें 125 से अधिक देश शामिल हो चुके हैं। इस प्रकार भारत न केवल देश में वैकल्पिक और अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में प्रयासरत है, बल्कि वह वैश्विक सहभागिता को भी प्रोत्साहित कर रहा है। दुबई जलवायु सम्मेलन में भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को जानकारी दी थी कि 2०21-22 में भारत ने 13। 35 लाख करोड़ रुपये जलवायु प्रयासों पर खर्च किया है, जो सकल घरेलू उत्पादन का लगभग 5। 6 प्रतिशत हिस्सा है। अगले सात वर्षों में इन कोशिशों पर 57 लाख करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च की उम्मीद है।

ग्रामीण भारत में 25 प्रतिशत किशोर दूसरी कक्षा की किताब नहीं पढ़ सकते

ग्रामीण भारत में 14 से 18 साल के 25 प्रतिशत किशोर दूसरी कक्षा की किताब नहीं पढ़ सकते और लगभग 6० प्रतिशत पैमाने से ठीक से नाप नहीं ले सकते। ऐसे आंकड़े यह इंगित करते हैं कि ग्रामीण क्षेत्र में हमारी स्कूली व्यवस्था की गुणवत्ता निम्न स्तर पर है। स्वैच्छिक संस्था प्रथम फाउंडेशन की वार्षिक स्कूली सर्वेक्षण में बताया गया है कि 14 से 18 साल के लगभग 87 प्रतिशत किशोरों का स्कूलों में नामांकन है, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ-साथ पढ़ाई छोड़ने का प्रतिशत बढ़ता जाता है। यह रिपोर्ट 26 राज्यों के 28 जिलों में करीब 35 हजार किशोरों के सर्वेक्षण पर आधारित है। पिछली बार 2०17 में संस्था की वार्षिक रिपोर्ट में इस आयु वर्ग का सर्वेक्षण किया गया था। कोरोना महामारी के दौर में यह चिंता जतायी गयी थी कि जीवनयापन के लिए अधिक आयु के किशोर पढ़ाई छोड़ सकते हैं, लेकिन रिपोर्ट में पाया गया है कि ऐसा नहीं हुआ। यह संतोषजनक है, पर केवल स्कूल में दाखिले से बात नहीं बनेगी। हमें पढ़ाई के स्तर को बेहतर करना होगा। साल 2०17 और 2०23 के बीच छह साल का अंतराल है, किंतु किशोरों के स्तर में कोई विशेष गुणात्मक सुधार नहीं हुआ है। क्षेत्रीय भाषाओं के पाठ पढ़ने में लड़कों की तुलना में लड़कियों का प्रदर्शन बेहतर है, पर अंग्रेजी पाठ पढ़ने और गणित में लड़के अच्छा कर रहे हैं। पहली बार इस रिपोर्ट में 11वीं और 12वीं में विषयों के चयन पर सर्वेक्षण किय

इन कक्षाओं में 54 प्रतिशत छात्र कला एवं मानविकी विषय पढ़ रहे हैं, जबकि 9। 3 प्रतिशत वाणिज्य और 33। 7 विज्ञान पढ़ रहे हैं। विज्ञान पढ़ने के मामले में लड़कों से लड़कियां पीछे हैं। यदि किशोर स्कूली स्तर पर बुनियादी चीजें नहीं जानेंगे, तो वे या तो आगे की पढ़ाई ठीक से नहीं कर पायेंगे या स्कूली शिक्षा के बाद पढ़ना छोड़ देंगे। ग्रामीण भारत में देश की 65 प्रतिशत से अधिक आबादी रहती है तथा देश के लगभग 47 प्रतिशत लोग जीवनयापन के लिए कृषि पर निर्भर हैं। इस कारण ग्रामीण भारत का विकास सरकार की प्राथमिकताओं में ऊपर है। गांवों और कस्बों में कृषि और अन्य स्थानीय गतिविधियों से जुड़े रोजगार को बढ़ाने के लिए प्रयास हो रहे हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि किशोर और युवा शिक्षित हों तथा कौशल सीखें। ऐसा ठीक से नहीं हो पाने से वे स्थानीय स्तर पर हो रहे विकास कार्यों से नहीं जुड़ पायेंगे और न ही शहरों में उन्हें अच्छे मौके हासिल होंगे। केंद्र और राज्य सरकारों ने शिक्षा पर बजट आवंटन बढ़ाया है तथा नामांकन, शिक्षकों की नियुक्ति, संसाधनों की उपलब्धता पर ध्यान दिया है। पर यह नाकाफी है। सरकार, समाज और अभिभावक सभी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चों को अच्छी स्कूली शिक्षा मिले। (आरएनएस)

अश्लील वीडियो कांड में युवक पर हुआ मुकदमा दर्ज, जांच शुरु

हमारे संवाददाता

चमोली। गोपेश्वर नगर में कई दिनों से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे अश्लील एमएमएस में से एक वायरल एमएमएस पर गोपेश्वर थाने में एक युवती द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर नगर के ही एक युवक के विरुद्ध विभिन्न धराओं में पुलिस ने मुकध्दमा दर्ज कर दिया है। युवती ने तहरीर में बताया कि उक्त युवक के द्वारा उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल किया गया है।

गोपेश्वर थाने के थाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि एक युवती थाने में यह शिकायत ले कर आई थी,कि एक युवक द्वारा चुपके से उसका न्यूड विडियो बनाकर सोसियल मीडिया पर वायरल किया गया है। युवती द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी युवक पर विभिन्न धाराओ में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है। साथ ही युवक की तलाश भी की जा रही है।

बता दें कि गोपेश्वर नगर में इन दिनों कई अश्लील वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल होने की खबरें चर्चाओ में हैं,जिस पर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए मुकदमा दर्ज कर दिया है,अभी भी पुलिस द्वारा अन्य वायरल हो रही अश्लील वीडियो की जाँच की जा रही है,जिसमें दिखाई दे रहे व्यक्तियों को चिन्हित कर पुलिस कार्यवाही कर सकती है। वही नगर में वायरल हो रहे इस प्रकार के वीडियो को लेकर लोगो में भी खासा आक्रोश है। लोगो का कहना है कि कुछ असामाजिक लोगो के द्वारा इस तरह का कृत्य कर नगर को बदनाम किया जा रहा है,ऐसे लोगो के ऊपर कड़ी कार्यवाही होनी चाहिये।

नशीला पदार्थ खिलाकर नगदी व जेवरात लेकर नौकरानी फरार

संवाददाता

देहरादून। महिलाओं को नशीला पदार्थ खिलाकर नौकरानी जेवरात व नगदी लेकर फरार हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार पंकज विहार शिमला बाईपास निवासी श्रेयस सकलानी ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनके यहां पर सुष्मिता राय नामक महिला काम करती थी। गत दिवस सुष्मिता राय ने उसकी मां व दादी को नशीला पदार्थ खिला दिया जिससे दोनों बेहोश हो गयी। जिसके बाद सुष्मिता उनके यहां से नगदी व जेवरात लेकर फरार हो गयी। जब वह घर पहुंचा तो उसने अपनी मां व दादी को बेहोश देखा तो उनको अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर उनको होश आया तो उन्होंने बताया कि सुष्मिता ने उनको नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश किया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी।

दुकान में घुसकर मारपीट करने पर 7 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। दुकान में घुसकर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुल्हाल निवासी सीमा सक्सेना ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपनी दुकान पर बैठी थी तभी वहां पर अकरम, उसकी पत्नी गुडिया, पुत्र आसिक, अनस, अशरफ, सलमान व सारिका आये और उसके साथ गाली गलौच करने लगे। उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ लाठी डण्डों से हमला कर घायल कर दिया। जब आसपास के लोग वहां पर आये तो सभी हमलावर उसको जान से मारने की धमकी देकर चले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

डकैतों व पुलिस के बीच हुई मुठभेड़... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

गंदेवाड़ा सहारनपुर उत्तर प्रदेश को पुलिस द्वारा मौके से गिरफ्तार किया गया। वाहन सवार दूसरे बदमाश बबलू बादशाह पुत्र नईम निवासी किदवई नगर, मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश पुलिस टीम पर फायर कर जंगल की ओर भाग गया था।

पुलिस द्वारा बदमाश बबलू के साथ मुठभेड़ में बदमाश के पैर पर गोली लगी, घायल बदमाश को पुलिस द्वारा तत्काल उपचार हेतु विवेकानंद अस्पताल धर्मावाला लाया गया जहां चिकित्सकों द्वारा उसको उच्च उपचार के लिए विकासनगर चिकित्सालय रेफर किया गया। बदमाश के कब्जे से मौके पर एक 315 बोर का तमंचा व दो कारतूस बरामद हुए। घटना का पता चलते ही एसएसपी अजय सिंह मौके पर पहुंचे और घायल बदमाश के बारे में जानकारी ली। पूछताछ में बबलू बादशाह द्वारा बताया गया कि खुशहालपुर में फुरकान के घर पर उसने अपने पांच साथियों के साथ घरवालों को बंधक बनाकर घटना को अंजाम दिया गया था। पूछताछ के आधार पर मुकदमे को डकैती में तरमीम करते हुए , डकैती में शामिल अन्य बदमाशो की धरपकड़ के लिए टीम रवाना किया गया। जिसके चलते पुलिस टीम द्वारा डकैती में शामिल एक अन्य आरोपी असलम फरीद पुत्र लतीफ निवासी कैलाशपुर सहारनपुर को गिरफ्तार किया गया।

दस दिवसीय इंटर बटालियन कम्पटीशन का आयोजन

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। 84 उत्तराखंड बटालियन एनसीसी, रुड़की के तत्वाधान में चौ. भरत सिंह डीएवी इंटर कॉलेज, झबरेड़ा में दस दिवसीय इंटर बटालियन कम्पटीशन (थल सेना शिविर) का आयोजन किया जा रहा है। दिनांक 13 जून 2024 से संचालित इस कैंप में हरिद्वार जिले के विभिन्न स्कूलों और उत्तराखंड राज्य के विभिन्न जनपदों के आये 565 एनसीसी कैडेट्स प्रतिभाग कर रहे हैं। दिन रात चलने वाले इस शिविर में सभी एनसीसी कैडेट्स को विशेष रूप से शस्त्र चलाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है व सभी कैडेट्स शिविर की प्रत्येक गतिविधि में बड़े उत्साह से प्रतिभाग कर रहे हैं। प्रशिक्षण उपरांत यह कैडेट्स हल्द्वानी में आयोजित होने वाले इंटर ग्रुप कम्पटीशन

❑एनसीसी कैडेट्स को दिया जा रहा है शस्त्र चलाने का प्रशिक्षण

में प्रतिभाग करेंगे ।

आज शिविर के द्वितीय दिन रुड़की ग्रुप मुख्यालय के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर सबल सिंह नेगी ने शिविर का निरीक्षण किया और इस अवसर पर सभी कैडेट्स का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि शिविर का उद्देश्य कैडेट्स में अनुशासन की भावना, मिलजुल कर कार्य करना और आत्मबल का इस प्रकार से विकास करना कि वह शारीरिक और मानसिक रूप से देश की सेवा करने के लिए तत्पर हो सकें।

इस अवसर पर कैंप कमांडेंट कर्नल रामाकृष्णन रमेश द्वारा एनसीसी कैडेट्स के इस कैम्प के आयोजन हेतु विद्यालय परिसर उपलब्ध कराने पर विद्यालय के प्रबंधक चौ. कुलवीर सिंह को धन्यवाद प्रेषित किया। इस आयोजन में डिप्टी कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल अमन कुमार सिंह, सूबेदार मेजर केदार सिंह रावत, कैम्प अदजुडेंट कैप्टन सुशील कुमार आर्य, कैप्टन धर्म सिंह, कैप्टन रविंद्र कुमार, थर्ड ऑफिसर अरुण कुमार, थर्ड ऑफिसर शशिकांत शर्मा, थर्ड ऑफिसर नीता आदि द्वारा कैडेट्स की ट्रेनिंग का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

कैम्पटी पहुंचने पर गणेश जोशी का हुआ स्वागत

संवाददाता

देहरादून। कैम्पटी पहुंचने पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी का नैनबाग मंडल के पदाधिकारियों ने फूल माला व शॉल ओढाकर स्वागत किया।

आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी कैम्पटी पहुंचने पर नैनबाग मंडल के पदाधिकारियों एवं स्थानीय लोगों द्वारा फूल माला एवं शाल ओढ़ाकर स्वागत किया गया। इस दौरान ग्रामीणों द्वारा ग्राम पंचायत सिया कैम्पटी के अन्तर्गत मसूरी चकराता मोटर मार्ग के बढ़ाखाला तोक से प्राथमिक विद्यालय कैम्पटी तक 1.5 कि.मी. मोटर मार्ग सी.सी. निर्माण के सम्बन्ध में ज्ञापन

भी सौंपा। जिसपर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने सकारात्मक आश्वासन देते हुए मामले में शीघ्र ही मोटर मार्ग के निर्माण का भरोसा दिलाया।

ग्रामीणों द्वारा कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी का यमुना-मसूरी पेयजल पंपिंग योजना के लिए कैम्पटी वासियों ने आभार प्रकट किया। इस अवसर पर ओबीसी मोर्चा उपाध्यक्ष राजेश नौटियाल, भाजयुमो राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नेहा जोशी, प्रदेश महामंत्री महिला मोर्चा कविता रोतेला, पूर्व प्रधान विक्रम सिंह साजवान, सुनील नौटियाल सहित कई लोग उपस्थित रहे।

जेल के बाहर से दिन दहाड़े दो बाइक चोरी, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

हमारे संवाददाता

नैनीताल। उप कारागार हल्द्वानी के गेट के बाहर से दिनदहाड़े दो बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। दो बाइक चोरी होने की घटना के बाद से पुलिस और जेल प्रशासन पर सवाल खड़े हुए हैं। जेल के बाहर पुलिस चौकी और पुलिस के जवानों की तैनाती के बाद भी दिन दहाड़े जेल परिसर के गेट के आगे से बाइक चोरी हो गई है।

बताया जा रहा है कि उप कारागार हल्द्वानी पहुंचे दो लोग अपने परिजन और दोस्तों से जेल के अंदर मिलने आये थे। जेल के गेट के सीसीटीवी कैमरे के सामने मंदिर के बराबर में अपनी बाइकों को खड़ी करके जेल के अंदर मिलाई करने चले गए। लगभग 1 घंटे बाद जब बाहर निकले तो वहां बाइक नहीं थी। जिसे देखकर वह हक्के-बक्के रह गए. जिस स्थान पर बाइक खड़ी कर गए थे, वहां उन्होने काफी ढूंढने का प्रयास किया गया, लेकिन बाइक का कोई अता पता नहीं चला।

बताया जा रहा है कि चोरों ने बाइक स्वामी मोहम्मद रिहान निवासी इंदिरा नगर की स्प्लेंडर बाइक जबकि दूसरी बाइक हेम सिंह मेहरा जमुआढुंगा निवासी की स्प्लेंडर बाइक चुरा ली है। बाइक स्वामियों ने चोरी की सूचना पुलिस को दी है, जहां पूरे मामले की पुलिस जांच कर रही है।

पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलते ही मामला दर्ज कर बाइक चोरों को तलाश की जा रही है। कहा कि जल्द चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। दिनदहाड़े जेल परिसर के मुख्य गेट के बाहर से दो बाइक चोरी होने से पुलिस और जेल प्रशासन के सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

देर रात मछली का शिकार करने वाले 5 नेपाली गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

टिहरी गढ़वाल। देर रात मछली का शिकार करने वाले पांच नेपालियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया गया है। जिनके कब्जे से शिकार की गयी मछलियां बरामद कर उन्हे अग्रिम कार्यवाही हेतू वन विभाग की सुपुर्दगी में दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती देर रात थाना थत्यूड पुलिस को सूचना मिली कि अलगाड नदी जौनपुर थत्यूड मे कुछ व्यक्तियो द्वारा मछली का शिकार किया जा रहा हैं। उक्त सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस बताये गये स्थान अलगाड नदी जौनपुर थत्यूड पहुंची और साथ ही वन क्षेत्राधिकारी जौनपुर रेंज को भी इस बारे में जानकारी दी गई। मौके पर पुलिस ने नदी में मछ्ली पकड़ते

हुए पांच युवकों को हिरासत में ले लिया। जिनके कब्जे से शिकार की गयी मछली भी बरामद हुई है। पूछताछ में उन्होने अपना नाम दिनेश पुत्र जयबहादुर निवासी ठडीखात थाना ठडीखात जनपद दे लेख नेपाल, लक्ष्मण पुत्र तपेन्द्र निवासी चामुण्डा थाना जम्मूकेत जनपद देलेख नेपाल, विमल पुत्र भगत निवासी ठाडीकात थाना जम्मूकेत जनपद देलेख नेपाल, प्रवीण पुत्र दिलबहादुर निवासी चामुण्डा थाना जम्मूकेत जनपद देलेख नेपाल व गोपाल पुत्र अमृत निवासी ठाडीकात थाना जम्मूकेत जनपद देलेख नेपाल बताया। जिन्हे पुलिस द्वारा अग्रिम कार्यवाही हेतू वन विभाग की सुपुर्दगी में दिया गया है।

एक नजर

इटली की प्रधनमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने जी-7 में आए मेहमानों का नमस्ते से किया स्वागत

नई दिल्ली। जी-7 के पहले दिन इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी भारत के रंग में रंगी नजर आईं। उन्होंने वहां पहुंचने वाले सभी मेहमानों का हाथ जोड़कर स्वागत किया। भारतीय कल्चर को अपनाते हुए इस तरह से मेलोनी को देखकर लोग अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

दरअसल, इटली में 13 जून से लेकर 15 जून तक जी-7 समिट का आयोजन होने जा रहा है, इस समिट में कई देशों के प्रतिनिधि शामिल होने इटली पहुंचे हैं। ऐसे में इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी अपनी मेजबानी में मेहमानों का स्वागत करती दिखाई दे रही हैं। लेकिन उनके स्वागत करने का तरीका थोड़ा खास है। एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें देखा जा सकता है कि मेलोनी इटली आने वाले मेहमानों का हाथ जोड़कर स्वागत कर रही है। सम्मेलन में शामिल होने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जापान के प्रधान मंत्री फूमियो किशिदा, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक भी पहुंचे। इसके अलावा जर्मन के चांसलर ओलाफ स्कोल्ज भी दिखाई दिए। वायरल वीडियो में इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज को हाथ जोड़कर स्वागत करते हुए दिखाई दे रही हैं।

अब नहीं होगा सनी लियोनी का प्रोग्राम

तिरुवनंतपुरम । बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी के एक प्रोग्राम पर रोक लगा दी गई है। दरअसल, केरल की एक यूनिवर्सिटी कुलपति ने सनी के प्रोग्राम पर छूट देने से इनकार कर दिया है। तिरुवनंतपुरम के करियावट्टम में स्थित यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में अभिनेत्री सनी लियोन के परफॉर्मेंस की अनुमति देने से इनकार कर दिया। कुलपति ने रजिस्ट्रार को प्रोग्राम की अनुमति न देने का निर्देश दिया है।

यूनिवर्सिटी के वीसी डॉ मोहनन कुन्नुमल ने कहा कि कैंपस के अंदर बाहरी बैंड या कलाकारों द्वारा किसी भी परफॉर्मेंस की अनुमति नहीं है। उन्होंने आगे कहा, ष्पिछले साल यूनिवर्सिटी में एक बैंड प्रोग्राम के दौरान भगदड़ की स्थिति पैदा हो गई थी, जिसमें कुछ छात्रों की जान चली गई थी। एक नियम बनाया गया था कि किसी भी प्रोग्राम के लिए बाहरी बैंड या कलाकारों को कैंपस के अंदर जाने की अनुमति नहीं है। स्टूडेंट, कैंपस के अंदर अपने परफॉर्मेंस और कार्यक्रम आयोजित कर सकते हैं।ष कुलपति ने यह भी कहा कि बाहर से कलाकारों को लाने के लिए पैसे इकट्ठा करना भी मना है। उन्होंने कहा, ष्इस आर्टिस्ट ने बहुत बड़ी रकम वसूली होगी। छात्र इतनी रकम का खर्च नहीं उठा सकते हैं। इसलिए फंडिंग की गई होगी। इसकी भी अनुमति नहीं है।ष बता दें कि यह प्रोग्राम 5 जुलाई के लिए तय किया गया था।

ट्रक व ऑटो की टक्कर में 5 लोगों की दर्दनाक मौत

नई दिल्ली। झारखंड के गढ़वा जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई जबकि 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना को लेकर पुलिस ने बताया कि जिस ऑटो रिक्शा पर सभी यात्रा कर रहे थे उसकी एक ट्रक से टक्कर हो गई, जिसमें 5 लोगों की जान चली गई। हादसा शुक्रवार की रात करीब डेढ़ बजे नगर उंटारी थाना क्षेत्र के पाल्हे गांव के पास हुआ।

थाना प्रभारी आदित्य कुमार नायक ने बताया कि लगभग 12 लोग गुजरात जाने वाली ट्रेन में सवार होने के लिए ऑटोरिक्शा में सिलियाटोंगर गांव से उंटारी रेलवे स्टेशन जा रहे थे, तभी वाहन विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक से टकरा गया। उन्होंने बताया कि घायल लोगों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। मृतकों की पहचान बिमलेश कुमार कनौजिया (42), अरुण भुइयां (30), बिकेश भुइयां (20), राजा कुमार (21) और राजकुमार भुइयां (53) के रूप में की गई है। बता दें कि अभी बीते महीने 22 मई को गढ़वा में एक अन्य सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई थी और तीन गंभीर रूप से घायल हो गए थी। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया था। मृतक एक ही परिवार के सदस्य थे। जानकारी के मुताबिक कार सवार लोग शादी में जा रहे थे इस दौरान कार और ट्रेलर की टक्कर हो गई थी।

वनकर्मियों के आश्रितों को विभाग में नौकरी दे सरकार:माहरा

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि वनाग्नि में झुलस कर मरे वनकर्मियों के परिवार को सरकार 25-25 लाख रूपये व परिवार के एक सदस्य को नौकरी दे।

आज यहां उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करन माहरा ने एक बयान जारी करते हुए अल्मोड़ा के बिनसर अभयारण्य इलाके में चार वन कर्मचारियों के जिन्दा जलने पर दु:ख व्यक्त करते हुए, मृत आत्माओं की शान्ति एवं शोक-संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की है।

उन्होंने कहा कि कुछ अन्य वन कर्मियों की झुलसने की खबर भी आई है, वह उनकी शीघ्र स्वस्थ्य होने की कामना के साथ उत्तराखण्ड सरकार से उनके फ्री उपचार की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जिन्दा जले कर्मचारियों को 10 लाख नही बल्कि 25-25 लाख का मुआवजा देने के साथ उनके परिवार से एक व्यक्ति को विभाग में नियुक्त किया जाना चाहिए। ताकि वह अपने परिवार का भरण पोषण कर सके। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार में

अल्मोड़ा में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की गई थी परन्तु ज्ञात हुआ है कि आज तक अल्मोडा मेडिकल कॉलेज में बर्न वार्ड है ही नही तो आग से झुलसने वाले कर्मियों का उपचार कैसे होगा?

उन्होंने कहा कि ऐसे ही हाल सभी मेडिकल कॉलेजों एवं अन्य अस्पतालों का है कहीं डाक्टर नही तो कहीं कर्मचारियों की कमी है और कहीं वार्ड नही है कही टेक्नीशियन नही है, ऐसे ही आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं का भी बुरा हाल है। करन माहरा ने कहा कि उत्तराखण्ड का कुल वन क्षेत्र लगभग 45 प्रतिशत है। कांग्रेस पार्टी लगातार केन्द्र सरकार से उत्तराखण्ड को ग्रीन बोनस देने की मांग करती आ रही है ताकि राज्य में बंजर भूमि पर वृक्षारोपण किया जा सके। परन्तु आज तक भाजपा सरकार द्वारा उत्तराखण्ड को ग्रीन बोनस नही दिया गया।

उन्होंने कहा कि आज तक राज्य में वनों में लगी आग से लगभग 17 वनकर्मी की मृत्यु हो चुकी है। उन्होंने राज्य सरकार को कठधरे में खड़ा करते हुए कहा कि राज्य के जंगलों में काफी समय से आग लग रही है, पर वन विभाग आग को बुझाने के लिए कोई ठोस कदम नही उठा पा रहा है जिससे वन कर्मियों को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है जो काफी दु:खद है।

उन्होंने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि आग से वनों को कैसा बचाया जा सकता है इसके लिए सरकार ने अभी तक कोई ठोस नीति नही बनाई है जिनका खामयाजा वन कर्मियों को अपनी मौत के रूप भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि वनों में आग लगने से पेड़, पौधे जल रहे हैं जिससे पीने के पानी के क्षेत्र लगातार सूख रहे हैं और जंगली जानवरों को भी काफी हानि पहुँच रही है।

चार दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने चार स्थानों से चार दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने सभी मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजपुर निवासी संगीता ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह क्षेत्र के एक रेस्टोरेंट में गयी थी तथा उसने अपनी एक्टिवा रेस्टोरेंट के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आयी तो उसने देखा कि उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी। आर्शीवाद एन्क्लेव निवासी अनंत कुमार ने अपनी एक्टिवा गुच्चुपानी से चोरी होने का मुकदमा कैण्ट कोतवाली में दर्ज कराया। एकता विहार निवासी रघुवीर सिंह ने सहस्त्रधारा रोड से मोटरसाईकिल चोरी व खुडबुडा मौहल्ला निवासी आनंद सिंह ने अपने घर के बाहर से उसकी एक्टिवा चोरी होने का मुकदमा शहर कोतवाली में दर्ज कराया। पुलिस ने सभी मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स्कूटी की टक्कर से महिला घायल

संवाददाता

देहरादून। स्कूटी की चपेट में आकर महिला घायल हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार पैसेफिक गोल्फ स्टेट निवासी भारद्वाज हर्षद मनियार ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पत्नी अंजलि भारद्वाज बाजार से घर की तरफ आ रही थी। जब वह पैसेफिक गोल्फ स्टेट के पास पहुंची तभी गलत दिशा से आ रहे स्कूटी सवार ने उसको टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी जिसको अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में पीआरडी कर्मी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पौड़ी। नाबालिग से दुष्कर्म मामले में पुलिस ने एक पीआरडी कर्मी को गिरफ्तार कर लिया है। जिसको न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 5 फरवरी को लैन्सडाउन निवासी एक व्यक्ति ने राजस्व पुलिस चौकी सीला-1, तहसील लैंसडाउन, जनपद पौड़ी गढ़वाल में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करायी कि उनके ही क्षेत्र के पीआरडी जवान गजपाल सिंह पुत्र बचन सिंह ने उनकी नाबालिग पुत्री (उम्र-13 वर्ष) के साथ दुष्कर्म किया है। प्रथम सूचना रिपोर्ट के आधार पर राजस्व पुलिस चौकी राजस्व सीला-1 पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। मुकदमा नाबालिग युवती से सम्बन्धित होने के कारण विवेचना जिलाधिकारी के आदेशानुसार राजस्व पुलिस से रेगुलर पुलिस को स्थानान्तरित हुई। जिस पर सतपुली थाना पुलिस द्वारा जांच की कमान अपने हाथों में ले ली गयी। गठित पुलिस टीम द्वारा ठोस सुरागरसी पतारसी कर आरोपी पीआरडी जवान गजपाल सिंह पुत्र बचन सिंह को ग्राम जोगी विलंगी से गिरफ्तार किया गया। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

मोटरसाईकिल सवार बदमाशों ने लूटा मोबाइल

संवाददाता

देहरादून। मोटरसाईकिल सवार बदमाशों ने मोबाइल लूट की घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवाजी नगर ऋषिकेश निवासी सौरभ ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह घर के पास मोबाइल पर बात करते हुए जा रहा था तभी वहां पर बुलेट मोटरसाईकिल पर सवार दो युवक आये और उसके हाथ से मोबाइल लूटकर फरार हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।